

Unstarred Vidhan Sabha Question bearing No.14/13/61 raised by Sh.Sita Ram Yadav, M.L.A, Ateli regarding to establish small industry in each block of State under PADMA scheme - Listed on 09.08.2022 at Sr. No.50.

Question No.14/13/61 : Sh. Sita Ram Yadav, M.L.A, Ateli :

Will the Deputy Chief Minister be pleased to state :-

- a) whether there is any proposal under consideration of the Government to establish a small Industry in each block of State under PADMA Scheme; and
- b) if so, the time by which the abovesaid proposal is likely to be materialized together with the details thereof ?

Reply : DUSHYANT CHAUTALA, DEPUTY CHIEF MINISTER, HARYANA

Yes, Sir.

Haryana Government has launched a scheme on the 23rd of February 2022 to establish industrial cluster specific to every block in the State under the 'Programme to Accelerate Development for MSME Advancement' (PADMA). The programme initiative aims to encourage holistic socio-economic development across Haryana and empower the State's youth to set up new enterprises by providing them opportunities to grow and be a part of the formal economy. The objective of this programme is to design and implement developmental interventions focussed on micro and small enterprises at block level, leverage the industrial cluster approach and give a thrust to sustainable employment and entrepreneurship opportunities as well as promote balanced regional growth. With this intent, one product each in 143 blocks of all districts in the State has been identified based on the locally available resources, existing MSME ecosystem, stakeholder consultations, raw material availability, demographic profile and growth potential to create sustainable and cost effective clusters. At each of these blocks, one new mini-industrial cluster focussed on the selected 'product' shall be developed by the Government. It is envisaged that each cluster shall constitute several new MSMEs, along with Common Facility Centres (CFCs) and Business Development Service (BDS) hubs. The PADMA scheme shall be implemented over a period of five years. The development of each block shall be taken up in a phased manner so that proper focus is laid on fostering a vibrant industrial ecosystem in each block.

अतारांकित विधानसभा प्रश्न संख्या 14/13/61 श्री सीता राम यादव, विधायक, अटेली द्वारा राज्य के प्रत्येक प्रखंड में पदमा योजना के तहत लघु उद्योग स्थापित करने के संबंध में उठाया गया।

प्रश्न संख्या 14/13/61 : श्री सीता राम यादव, एम.एल.ए., अटेली :

क्या उपमुख्यमंत्री यह बताएंगे कि:

(क) क्या पदमा योजना के तहत राज्य के प्रत्येक ब्लॉक में एक लघु उद्योग स्थापित करने का कोई प्रस्ताव सरकार के समक्ष विचाराधीन है; तथा

(ख) यदि हां, तो उक्त प्रस्ताव के कब तक अमल में लाए जाने की संभावना है और उसका ब्यौरा क्या है?

उत्तर :— दुष्यंत चौटाला, उप मुख्यमंत्री, हरियाणा

हां श्रीमान् जी,

हरियाणा सरकार ने 23 फरवरी 2022 को राज्य के प्रत्येक ब्लॉक में विशिष्ट औद्योगिक क्लस्टर स्थापित करने के लिए "प्रोग्राम टू एक्सेलरेट डेवलपमेंट फॉर एमएसएमई एडवांसमेंट" (पदमा) के तहत एक योजना शुरू की है। कार्यक्रम की पहल का उद्देश्य पूरे हरियाणा में समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना और राज्य के युवाओं को नए उद्यम स्थापित करने के लिए उन्हें विकसित होने और औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनने के अवसर प्रदान करने के लिए सशक्त बनाना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ब्लॉक स्तर पर सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों पर केंद्रित विकासात्मक हस्तक्षेपों को डिजाइन ओर कार्यान्वित करना, औद्योगिक क्लस्टर दृष्टिकोण का लाभ उठाना और उद्यमिता के अवसरों के साथ-साथ संतुलित क्षेत्री विकास को बढ़ावा देना है। इस आशय के साथ, राज्य के सभी जिलों के 143 ब्लॉकों में से प्रत्येक में स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों, मौजूदा एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र, हितधारकों के परामर्श, कच्चे माल की उपलब्धता, जनसांख्यिकीय प्रोफाइल और टिकाऊ तथा लागत प्रभावी क्लस्टर बनाने के लिए विकास क्षमता के आधार पर एक उपदा की पहचान की गई है। इनमें से प्रत्येक ब्लॉक में, सरकार द्वारा चयनित उत्पाद पर केंद्रित एक नया मिनी-औद्योगिक क्लस्टर विकसित किया जाएगा। यह परिकल्पना की गई है कि प्रत्येक क्लस्टर कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) और बिजनेस डेवलपमेंट सर्विस (बीडीएस) हब के साथ कई नए एमएसएमई का गठन करेगा। पदमा योजना पांच साल की अवधि के लिए लागू की जाएगी। प्रत्येक ब्लॉक का विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा ताकि प्रत्येक ब्लॉक में एक जीवंत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने पर उचित ध्यान दिया जा सके।